बिजली गुल की शिकायत के लिए अतिरिक्त नंबर लॉन्च

बीआरपीएल– 335 171 00, बीवाईपीएल– 300 79 300

कॉल सेंटर कर्मियों की संख्या 50 प्रतिशत बढ़ाई गई
एमरजेंसी कंट्रोल और स्पेशल क्यूआरटी रूम का गठन

नई दिल्लीः 27 मई, 2016। बेहतर बिजली आपूर्ति सुनश्चित करने के लिए बीएसईएस ने कई कदम उठाए हैं। बिजली गुल की शिकायत दर्ज कराने के लिए, नियमित कॉल सेंटर के अलावा, अलग से भी फोन नंबर लॉन्च किए गए हैं। बीआरपीएल के लिए फोन नंबर है– 335 171 00 और बीवाईपीएल के लिए नंबर 300 79 300 है। यह अतिरिक्त फोन नंबर 1 जून से काम करना शुरू कर देगा और 31 अगस्त तक काम करेगा। कॉल सेंटर में कर्मचारियों की संख्या भी करीब 50 प्रतिशत बढ़ा दी गई है।

फील्ड में 200 अतिरिक्त मैनपावर की तैनाती की जा रही है, जो रात में फील्ड में रहेंगे। चौबीसों घंटे फॉल्ट्स को मॉनिटर करने के लिए एमरजेंसी कंट्रोल रूम बनाया गया है। शिकायतों पर नजर रखने और उनके त्वरित निपटारे के लिए सभी सर्कलों में स्पेशल क्यूआरटी यानी क्विक रेस्पॉन्स टीम का गठन किया गया है। ग्रिड के स्तर पर फॉल्ट का पता लगाने के लिए हॉट स्पॉट स्कैनिंक की व्यवस्था की गई है। बिजली आपूर्ति की स्थिति को मॉनिटर करने के लिए स्काडा में चौबीसों घंटे सीनियर अधिकारियों की तैनाती की गई है।

बिजली को सफलतापूर्वक उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए बीएसईएस ने अपने नेटवर्क को सशक्त बनाया है और उसका आधुनिकीकरण किया है। अपने नेटवर्क के सशक्तिकरण, आधुनिकीकरण और उसकी क्षमता बढ़ाने के लिए, वित्त वर्ष 2015–16 के दौरान बीएसईएस ने 550 करोड़ रूपये का निवेश किया है। बीआरपीएल ने 355 करोड़, जबकि बीवाईपीएल ने 200 करोड़ रूपये अपने नेटवर्क में लगाए हैं। इसकी बदौलत, इस साल बीएसइएस की नेटवर्क–क्षमता में 450 एमवीए की बढ़ोतरी हुई है। बीआरपीएल की नेटवर्क–क्षमता में 300 एमवीए, जबकि बीवाईपीएल की नेटवर्क क्षमता में 150 एमवीए की वृद्धि की गई है। मध्य दिल्ली, नजफगढ़ और मुंडका में 50–50 एमवीए क्षमता वाले तीन ग्रिड स्टेशन बनाए गए हैं, ताकि बीएसईएस क्षेत्रों में बिजली की बढ़ी मांग को सफलतापूर्वक पूरा किया जा सके।

नेटवर्क की क्षमता को बढ़ाने के अलावा, बीएसईएस गर्मियों के मौसम में बिजली की विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रिवेंटिव मेंटेनेंस यानी नेटवर्क की मरम्मत व रख–रखाव का काम पहले ही पूरा कर चुका है। इसके अलावा, सब–स्टेशनों की लोड बैलेंसिंग की गई, सब–स्टेशनों की अर्थिंग की गई, आरएमयू बदले गए।

दरअसल, इस साल मई के तीसरे सप्ताह में, पिछले साल मई के तीसरे हफ्ते की तुलना में बिजली की मांग में 23 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो गई। यह अपने आप में ऐतिहासिक है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ कि पिछले साल की तुलना में बिजली की डिमांड में अचानाक इतनी बढ़ातरी हो जाए।

950 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली बीएसईएस, दिल्ली के दो–तिहाई क्षेत्र में बिजली की आपूर्ति करती है। बीएसईएस पूर्वी, मध्य, दक्षिण और पश्चिम दिल्ली के 37 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को बिजली की आपूर्ति करती है। बीआरपीएल इलाके में इस महीने पीक डिमांड 2750 मेगावॉट पहुंच गई और बीवाईपीएल इलाके में यह 1453 मेगावॉट हो गई। गौरतलब है कि दिल्ली में 20 मई को बिजली की डिमांग 6188 मेगावॉट हो गई थी।

बिजली की बढ़ी हुई मांग को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए बीएसईएस ने लंबी अवधि के लिए बिजली खरीद समझौते किए हैं। इसके अलावा, विभिन्न राज्यों से पावर बैंकिंग के माध्यम से भी बीएसईएस को बिजली मिल रही है। बिजली की सुचारू व्यवस्था के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के बावजूद कुछ इलाकों में लोगों को बिजली गुल का सामना करना पड़ा है। इसका एक बड़ा कारण है अत्यधिक गर्मी, जिसकी वजह से चौबीसों घंटे, यहां तक कि रात में भी बिजली की बहुत अधिक मांग रहती है। इस वजह से वितनेटवर्क को ठंडा होने का वक्त नहीं मिल पा रहा। इससे नेटवर्क पर दबाव व उसमें तनाव आता है, जिससे फॉल्ट्स में बढ़ोतरी होती है।

क्यों होती है बिजली गुल

- अनाधिकृत कॉलोनियों में बिजली नेटवर्क के लिए जगह की कमी के कारण बिजली की आपूर्ति प्रभावित होती है।
- अत्यधिक बिजली चोरी वाले इलाकों में बिजली के लोड में अप्रत्याशित बढ़ोतरी से ट्रिपिंग होती है और वितरण उपकरण जलते हैं।
- अनाधिकृत कॉलोनियों में बिजली चोरी की वजह से, पास वाली योजनाबद्ध कॉलोनियों में भी बिजली गुल होती है

कहां करें बिजली गुल की शिकायतः
चौबीसों घंटे और सातों दिन काम करने वाले कॉल सेंटर नंबर परः बीआरपीएल– 399 99 707, बीवाईपीएल– 399 99 808

अतिरिक्त नंबरः बीआरपीएल– 335 171 00, बीवाईपीएल– 300 79 300 । ये अतिरिक्त नंबर 1 जून से शुरू हो जाएंगे और पूरी गर्मियों के दौरान यानी 31 अगस्त तक चलेंगे।

एसएमएसः बीआरपीएल उपभोक्ता– बीएसईएसआरपी टाइप करें, स्पेस दें, एनसी टाइप करें, स्पेस दें, अपने नौ अंकों वाला सीए नंबर टाइप करें और उसे 5 61 61 07 पर एसएमएस कर दें। बीवाईपीएल उपभोक्ता– बीएसईएसवाईपी टाइप करें, स्पेस दें, एनसी टाइप करें, स्पेस दें, अपने नौ अंकों वाला सीए नंबर टाइप करें और उसे 5 61 61 08 पर एसएमएस कर दें।

मेइाइल ऐपः अब आप मोबाइल ऐप के माध्यम से भी बिजली गिुल की शिकायत दर्ज करा सकते हैं। बीएसईएस मोबाइल ऐप को बीएसईएस की वेबसाइट या फिर गूगल प्ले से डाउनलोड किया जा सकता है।

बीएसईएस, ट्रांसमिशन और जेनरेशन कंपनियों के साथ मिलकर बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का हर संभव प्रयास कर रही है।

प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर और दिल्ली सरकार के बीच एक संयुक्त उद्यम हैं